ओल्ड इज गोल्ड और भरपूर सेहत भारत का किचन किंग-डालडा वनस्पति अब ट्रांस-फैट फ्री

लखनऊ, एजेंसी। हम उसे वनस्पति कहते हैं, वहीं वैज्ञानिक-सोच रखने वाले इसे हाइड्रोजेनेटेड वेजिटेबल ऑयल के नाम से जानते हैं। 1930 से ही यह किचन का हमारा भरोसेमंद साथी है, जहाँ पुरानी पीढ़ियाँ इसके स्वाद, गाढ़ेपन और किफायती कीमत पर अच्छे दाम की कायल थी। 1980 के अंत में अनहेल्दी फैट्स की तरफ ध्यान दिलाया गया और एक दशक से भी कम समय में, ट्रांस फैट (टीएफए) हानिकारक पाया गया। उसके बाद से ही वनस्पति इंडस्ट्री टीएफए को कम करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। बदलाव के इस अभियान में शान से अगुवाई करने वाला डालडा वनस्पति, भारत में वनस्पति का पर्याय ब्रांड है। डालडा वनस्पति देश के सबसे पुराने, सबसे मजबूत और सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों में से एक ने आज लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की मेजबानी की। उन्होंने डालडा वनस्पति के ट्रांस-फैट मुक्त होने की घोषणा करने के लिये यह प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी थी। इस पैनल चर्चा में ब्रांड मार्केटिंग प्रतिनिधि के साथ भारत के पाककला के सरताज शेफ संजीव कपूर और प्रसिद्ध आहार विशेषज्ञ नैनी सीतलवाड़ भी मौजूद थे। बुंगे इंडिया के जीएम मार्केटिंग मिलिंद आचार्य ने ब्रांड के अब तक के सफर के बारे में कहा, "डालडा 75 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत के साथ भारत में एक घरेलू ब्रांड रहा है।